



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 13 अगस्त, 2007 / 22 श्रावण, 1929

हिमाचल प्रदेश सरकार

HIGHER EDUCATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 3rd August, 2007

No:EDN-A-Kha(15)14/01.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the promotion of Shri Chaman Lal Angiras, Deputy Director of Education, Directorate of Elementary Education, HP Shimla, as Joint Director of Education(Schools) in the pay scale of Rs.3000-5000 (Pre-revised) with immediate effect, in public interest, on regular basis.

Shri Angiras shall be on probation for a period of two years.

The Governor, Himachal Pradesh is further pleased to order the posting of Shri Chaman Lal Angiras as Joint Director of Education(School Cadre) in the Directorate of Elementary Education, HP against vacancy. He is directed to report for duty immediately and send his joining report to this Department.

This promotion will however be subject to the final out-come on the writ petition (Civil) No.61/2002 titled M. Nagraj & Ors. Vs. Union of India and W.P.(C) No.295/2002 titled Devi Ram Tanwar & Ors Vs. Union of India & Ors. In the Hon'ble Supreme Court of India.

By order,
Sd/-

Principal Secretary.

आयुर्वेद विभाग

शिमला-2, 6 अगस्त, 2007

अधिसूचना

संख्या: आयु0-सी-क(3)-2/98.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, (वर्ग-1, राजपत्रित) जिसे अब आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी (वर्ग-1 राजपत्रित) पदनामित किया गया है, भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1992 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग, आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, (वर्ग-1; राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति (तृतीय संशोधन) नियम, 2007 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध—“अ” का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग, आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, (वर्ग-II, राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1992 के उपाबन्ध— “अ” में,—

(क) स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्,—

“शतप्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा या संविदा के आधार पर।”

(ख) स्तम्भ संख्या 15 में विद्यमान उपाबन्ध के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्,—

15—क. संविदा नियुक्ति द्वारा पद पर (I) संकल्पना नियुक्ति के लिए चयन।

(क) इस पॉलिसी के अधीन हिमाचल प्रदेश आयुर्वेद विभाग में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी को संविदा के आधार पर प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए लगाया जाएगा जिसे वर्षानुवर्ष आधार पर बढ़ाया जा सकेगा।

(ख) निदेशक, आयुर्वेद हिमाचल प्रदेश रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने के लिए सरकार का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् हिमाचल प्रदेश रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना अधिनियम, 1959 के निबन्धनों के अनुसार अध्यापिका को प्रदेश में नियोजनालयों के समक्ष रखेगा और रिक्त पदों के ब्योरे दो अग्रणी समाचार पत्रों में विज्ञापित करवाएगा और विहित अर्हताओं और इन नियमों में यथाविहित अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले अभ्यर्थियों से आवेदन आमन्त्रित करेगा। तथापि हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा भरी जाने वाली रिक्ति (रिक्तियों) की दशा में हिमाचल प्रदेश आयुर्वेद विभाग अध्यापिका को सम्बद्ध भर्ती अभिकरण अर्थात् हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के समक्ष रखेगा और सम्बद्ध भर्ती अभिकरण रिक्त पदों के ब्योरे कम से कम दो अग्रणी समाचार पत्रों में विस्थापित करवाएगा और इन नियमों में यथा विहित पात्रता शर्तों को पूर्ण करने वालों से आवेदन आमन्त्रित करेगा।

(ग) चयन इन नियमों में विहित पात्रता शर्तों के अनुसार किया जाएगा।

(घ) इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को सरकारी सेवा (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेलन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

(II) संविदात्मक उपलब्धियां :

संविदा के आधार पर नियुक्त आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी को आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी के प्रारम्भिक वेतनमान जमा मंहगाई वेतन (प्रतिमास) संदत्त किया जाएगा। यदि संविदा में एक वर्ष से अधिक की बढ़ौतरी की जाती है तो क्रमशः द्वितीय और तृतीय वर्ष के लिए मानदेय में 220/- रुपए वृद्धि के रूप में अनुज्ञात किए जाएंगे।

(III) नियुक्ति/अनुशासन प्राधिकारी :

सचिव (आयुर्वेद) हिमाचल प्रदेश सरकार नियुक्ति और अनुशासन प्राधिकारी होगा।

(IV) चयन प्रक्रिया:

(क) विभागीय स्तर पर भरे जाने वाले पदों को भरने के लिए : संविदा नियुक्ति की दशा में पद पर नियुक्ति के लिए चयन मौखिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा या यदि आवश्यक या समीचीन समझा जाए तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम इत्यादि इन नियमों के अधीन गठित चयन समिति द्वारा अवधारित किया जाएगा।

(ख) सम्बद्ध भर्ती अभिकरण के माध्यम से भरे जाने वाले पदों को भरने के लिए : संविदा नियुक्ति की दशा में पद पर नियुक्ति के लिए चयन मौखिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा या यदि आवश्यक या समीचीन समझा जाए तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम इत्यादि इन सम्बद्ध भर्ती अभिकरण अर्थात् हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा अवधारित किया जाएगा।

(V) संविदात्मक नियुक्तियों के लिए चयन समिति :

(क) विभागीय स्तर पर भरे जाने वाले पदों को भरने के लिए : "जैसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।" चयन, चयन समिति द्वारा अभ्यर्थियों के लिए यथा अधिसूचित मौखिक परीक्षा का संचालन करके किया जाएगा। चयन का मानदण्ड निम्न प्रकार से दिए गए अंकों के वितरण के आधार पर होगा:-

क्रम	संख्या विशिष्टियां	अंक
1.	दसवीं में प्राप्त अंक	05
2.	10+2 में प्राप्त अंक	10
3.	बी.ए.एम.एस में प्राप्त अंक	40
4.	एम.डी. में प्राप्त अंक	20
5.	अनुभव, यदि कोई हो	10
6.	रूढ़ियों, रीतियों और बोलियों का ज्ञान	05
7.	मौखिक परीक्षा	10

(ख) सम्बद्ध भर्ती अभिकरण के माध्यम से भरे जाने वाले पदों को भरने के लिए: "जैसी सम्बद्ध भर्ती अभिकरण अर्थात् हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।"

(VI) करार:

अभ्यर्थी को चयन के पश्चात् इन नियमों से संलग्न उपाबन्ध-ख के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा।

(VII) निबन्धन और शर्तें:

- (क) संविदा के आधार पर नियुक्त व्यक्ति को प्रारम्भिक वेतनमान जमा मंहगाई वेतन (प्रतिमास) संदत्त किया जाएगा। यदि संविदा में एक वर्ष से अधिक की बढ़ौतरी की जाती है तो क्रमशः द्वितीय और तृतीय वर्ष के लिए मानदेय में 220/- रूपए वृद्धि के रूप में अनुज्ञात किए जाएंगे।
- (ख) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा पूर्णतयः अस्थाई आधार पर होगी। नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण ठीक नहीं पाया जाता है।
- (ग) संविदात्मक नियुक्ति, पदधारी को किसी भी दशा में सेवा में नियमितिकरण का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी।
- (घ) संविदा पर नियुक्त आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी। केवल प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा।
- (ङ) नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना सेवा से अनधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगी। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति कर्त्तव्य (ड्युटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मानदेय का हकदार नहीं होगा।
- (च) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का एक स्थान से दूसरे स्थान के लिए स्थानान्तरण किसी भी दशा में अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।
- (छ) चयनित अभ्यर्थी को दीनदयाल उपाध्याय (रिपन) जोनल अस्पताल, शिमला से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना होगा। महिला अभ्यर्थियों की दशा में, बारह सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था प्रसव होने तक, उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थियों का दीनदयाल उपाध्याय (रिपन) जोनल अस्पताल, शिमला से पुनः परीक्षण किया जाना चाहिए।
- (ज) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का, यदि अपने पदीय कर्त्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी कि नियमित आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी को वेतनमान के न्यूनतम पर लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा।

(VIII) नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का अधिकार:

इन नियमों के अधीन संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए अभ्यर्थी को, किसी भी दशा में विभाग में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी के रूप में नियमितिकरण/स्थाई आमेलन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

आदेश द्वारा,
हस्ता/-
सचिव।

आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी और हिमाचल प्रदेश सरकार के मध्य निदेशक आयुर्वेद, हिमाचल प्रदेश के माध्यम से निष्पादित की जाने वाली **संविदा / करार** का प्ररूप।

यह करार **श्री / श्रीमति**..... **पुत्र / पुत्री** श्री..... निवासी....., संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् **“प्रथम पक्षकार”** कहा गया है) और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, के मध्य निदेशक आयुर्वेद, हिमाचल प्रदेश (जिसे इसमें इसके पश्चात् **“द्वितीय पक्षकार”** कहा गया है) के माध्यम से आज तारीख..... को किया गया।

“द्वितीय पक्षकार” ने उपरोक्त प्रथम पक्षकार को लगाया है और **प्रथम पक्षकार** ने द्वितीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी के रूप में संविदा के आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर सेवा करने के लिए सहमति दी है :-

1. यह कि **प्रथम पक्षकार** आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी के रूप में से प्रारम्भ होने और..... को समाप्त होने वाले दिन तक एक वर्ष की अवधि के लिए **द्वितीय पक्षकार** की सेवा में होगा। यह विनिर्दिष्ट रूप से उल्लिखित किया गया है और दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि प्रथम पक्षकार की द्वितीय पक्षकार के साथ संविदा, आखिरी कार्य दिवस् को अर्थात्..... दिन को स्वयंमेव ही पर्यवसित (पर्यवसित) समझी जाएगी और सूचना नोटिस आवश्यक नहीं होगा।
2. **प्रथम पक्षकार** को निम्न प्रकार से संविदा रकम संदत्त की जाएगी:-
 - (i) वेतनमान का आरम्भक;
 - (ii) जमा मंहगाई वेतन।
3. **प्रथम पक्षकार** की सेवा बिल्कुल अस्थाई आधार पर होगी। नियुक्ति समाप्त (पर्यवसित) की जाने के लिए दायी होगी यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण ठीक नहीं पाया जाता है।
4. संविदात्मक नियुक्ति किसी भी दशा में नियमित सेवा के लिए पदधारी को कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी।
5. संविदा पर नियुक्त आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। संविदा पर नियुक्त आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं **होगा / होगी**। केवल प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा।
6. नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्त्तव्यों से अनधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा का पर्यावसान (समापन) हो जाएगा। संविदा पर नियुक्त आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी कर्त्तव्य (डियूटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए वेतन का हकदार नहीं होगा।
7. संविदा के आधार पर नियुक्त कर्मचारी का एक स्थान से दूसरे स्थान के लिए स्थानान्तरण किसी भी दशा में अनुज्ञात नहीं होगा।
8. चयनित अभ्यर्थी को दीनदयाल उपाध्याय (रिपन) जोनल अस्पताल, शिमला से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना होगा। महिला अभ्यर्थियों की दशा में, बारह सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था प्रसव होने तक, उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थियों का दीनदयाल उपाध्याय (रिपन) जोनल अस्पताल, शिमला से उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाना चाहिए।

9. संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का, यदि अपने पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी कि नियमित प्रतिस्थानी अधिकारी को वेतनमान के न्यूनतम पर लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी।
10. संविदात्मक नियुक्त व्यक्ति(यो) को सामूहिक जीवन बीमा योजना के साथ-साथ इ0पी0एफ0/जी0पी0एफ0 भी लागू नहीं होगा।
11. किसी भी प्रकार की प्राइवेट प्रैक्टिस प्रतिषिद्ध है। इसके साक्ष्यस्वरूप प्रथम पक्षकार और द्वितीय पक्षकार ने साक्षियों की उपस्थिति में इसमें सर्वप्रथम उल्लिखित तारीख को अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

साक्षी की उपस्थिति में

1.....

.....

(नाम व पूरा पता)

प्रथम पक्षकार के हस्ताक्षर

2.....

.....

.....

(नाम व पूरा पता)

साक्षी की उपस्थिति में

1.....

.....

.....

(नाम व पूरा पता)

द्वितीय पक्षकार के हस्ताक्षर

2.....

.....

.....

नाम व पूरा पता

[Authoritative English Text of this Government's Notification No. Ayu-C-Ka(3)2/98 dated: 06.08.2007 as required under clause (3) of Article 309 of the Constitution of India].

AYURVEDA DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 6th August, 2007

No.Ayu-C-Ka(3)2/98.—The Governor, Himachal Pradesh, in exercise of the powers conferred by proviso of Article 309 of the Constitution of India and in consultation with the H.P.Public Service Commission, is pleased to make the following rules to further amend the H.P. Department of Indian System of Medicine and Homeopathy Ayurvedic Chikitsa Adhikari (Class-II Gazetted) now designated as Ayurvedic Medical Officers (Class-I Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 1992, namely:—

1. Short title & Commencement.— (1)These rules may be called the H.P. Department of Indian System of Medicine and Homeopathy Ayurvedic Medical Officers (Class-I Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 2007 (Third amendment);

(2) These rules shall come into force from the date of publication in official Gazette.

2. Amendment in Annexure-“A”.—In short title of the H.P. Department of Indian System of Medicine and Homeopathy Ayurvedic Chikitsa Adhikari (Class-II Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1992 (hereinafter referred to as the said rules);

(a) For the existing entry against Col. No. 10, the following shall be substituted namely;

“100% by direct recruitment or on contract basis.”

(b) After the existing provision against Col. 15, the following shall be added namely;

15-A (Selection for appointment (I) CONCEPT: to the post by contract appointment):—

(a) Under this policy, the Ayurvedic Medical Officer in the Department of Ayurvedic, HP will be engaged on contract basis initially for one year, which may be extendable on year to year basis.

(b) The Director, Ayurveda, H.P. after obtaining the approval of the Government for filling up the vacant posts on contract basis at the Department level will place the requisition with the employment exchanges in the Pradesh in term of the H.P. Compulsory Notification of Vacancies Act, 1959 and also advertise the details of the vacant posts in two leading newspapers and invite applications from the candidates having the prescribed qualifications and fulfilling the other eligibility conditions as prescribed in these rules. However, in respect of the vacancy(s) to be filled up by HPPSC Ayurveda Department, H.P. will place the requisition with concerned recruiting agency *i.e.* the H.P. Public Service Commission and the concerned recruiting agency will advertise the details of the vacant posts in atleast two leading newspapers and invite applications and fulfilling the other eligibility conditions as prescribed in these rules.

(a) The selection will be made in accordance with the eligibility conditions prescribed in these Rules.

(b) Contract appointee so selected under these Rules will not have any right to claim for regularization or permanent absorption in the Government job.

(II) CONTRACTUAL EMOLUMENTS:

The Ayurvedic Medical Officer appointed on contract basis will be paid initial of the pay scale of Ayurvedic Medical Officer plus Dearness Pay (per month). An amount of Rs. 220/- as increase in honorarium for the second and third year respectively will be allowed if contract is extended beyond one year.

(III) APPOINTING/DISCIPLINARY AUTHORITY:

The Secretary (Ayurveda) to the Government of Himachal Pradesh will be the appointing and disciplinary authority.

(IV) SELECTION PROCESS:

(a) For the posts to be filled up at Department level: Selection for appointment to the post in the case of Contract Appointment recruitment will be made on the basis of

viva-voce test, or if considered necessary or expedient by a written or practical test the standard/syllabus etc. of which will be determined by the Selection Committee constituted under these Rules.

- (b) **For the posts to be filled up through the concerned recruiting agency :** Selection for appointment to the post in the case of Contract Appointment will be made on the basis of viva-voce test or if considered necessary or expedient by a written test or practical test the standard/syllabus etc. of which will be determined by the concerned recruiting agency *i.e.* the H.P. Public Service Commission.

(V) COMMITTEE FOR SELECTION OF CONTRACTUAL APPOINTMENTS:

- (a) **For the posts to be filled up at Departmental level:** “As may be constituted by the competent authority from time to time.” The Selection will be made by the Selection Committee, as notified by conducting the *viva-voce* test of the candidates. The criterion for selection will be based on the distribution of marks given below:—

Sr. No.	Particulars	Marks
1.	Marks obtained in Matric	05
2.	Marks obtained in 10+2	10
3.	Marks obtained in BAMS	40
4.	Marks obtained in M.D.	20
5.	Experience, if any.	10
6.	Knowledge of customs, manners & dialects of H.P.	05
7.	Viva voce.	10

- (b) **For the posts to be filled up through the concerned recruiting agency:** “As may be constituted by the concerned recruiting agency *i.e.* the H.P. Public Service Commission from time to time.”

(VI) AGREEMENT:

After selection of a candidate, he/she shall sign an agreement as per Annexure-B appended to these rules.

(VII) TERMS & CONDITIONS:

- (a) The contract appointee will be paid Initial of pay scale plus Dearness pay (per month). An amount of Rs. 220/- as increase in honorarium for second and third years respectively will be allowed if contract is extended beyond one year.
- (b) The service of the Contract Appointee will be purely on temporary basis. The appointment is liable to be terminated in case the performance/conduct of the contract appointee is not found good.
- (c) Contractual appointment shall not confer any right to incumbent for the regularization in service at any stage.

- (d) Contract Ayurvedic Medical Officer will be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated up to one year. No leave of any other kind is admissible to the contract appointee. He/She shall not be entitled for Medical Reimbursement and LTC etc. Only maternity leave will be given as per rules.
- (e) Unauthorized absence from the duties without the approval of the Controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. Contract appointee shall not be entitled for honorarium for the period of absence from duty.
- (f) Transfer of a contract appointee will not be permitted from one place to another in any case.
- (g) Selected candidate will have to submit a certificate of his/her fitness from DDUZ (Ripon) Hospital, Shimla. Women candidate pregnant beyond 12 weeks will render her temporarily unfit till confinement is over. The women candidate will be re-examined for the fitness from DDUZ (Ripon) Hospital.
- (h) Contract appointee will be entitled to TA/DA if required to go on tour in connection with his/her official duties at the same rate as applicable to regular Ayurvedic Medical Officer at the minimum of the pay scale.

(VII) RIGHT TO CLAIM REGULAR APPOINTMENT:

The candidate engaged on contract basis under these rules shall have no right to claim for regularization/ permanent absorption as Ayurvedic Medical Officer in the Department at any stage.

By order,
Sd/-
Secretary.

ANNEXURE-B

FORM OF CONTRACT/AGREEMENT TO BE EXECUTED BETWEEN THE AYURVEDIC MEDICAL OFFICERS AND THE GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH THROUGH DIRECTOR OF AYURVEDA.

This agreement is made on this _____ day of _____ in the year _____ between Shri/Smt. _____ son/daughter of Shri _____ R/O _____

contract appointee (hereinafter called the FIRST PARTY), AND the Governor, Himachal Pradesh through Director of Ayurveda, Himachal Pradesh (hereinafter called the SEOND PARTY). Whereas, the SECOND PARTY has engaged the aforesaid FIRST PARTY and FIRST PARTY has agreed to serve as a Ayurvedic Medical Officer on contract basis on the following terms and conditions:—

1. That the FIRST PARTY shall remain in the service of the SECOND PARTY as an Ayurvedic Medical Officer for a period of one year commencing on the _____ day of _____ and ending on the _____ day of _____. It is specifically

- mentioned and agreed upon by both the parties that the contract of the FIRST PARTY with SECOND PARTY shall ipso facto stand terminated on the last working day i.e. on _____ and information notice shall not be necessary.
2. The contract salary of the FIRST PARTY will be paid Initial of the pay scale plus Dearness Pay.
 3. The service of FIRST PARTY will be purely on temporary basis. The appointment is liable to be terminated in case the performance/conduct of the contract appointee is not found good.
 4. The contractual appointment shall not confer any right to incumbent for the regular service at any stage.
 5. Contractual Ayurvedic Medical Officer will be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated up to one year. No leave of any kind is admissible to the contractual Ayurvedic Medical Officer. He will not be entitled for any kind of Medical Reimbursement and LTC etc. Only maternity leave will be given as per rules.
 6. Unauthorised absence from the duty without the approval of the Controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. A contractual Ayurvedic Medical Officer will not be entitled for salary for the period of absence from duty.
 7. Transfer of a officer appointed on contract basis will not be permitted from one place to another in any case.
 8. Selected candidate will have to submit a certificate of his/her fitness from DDU Zonal (RIPON) Hospital, Shimla. In case of women candidate pregnancy beyond 12 weeks will render her temporarily unfit till the confinement is over. The woman candidate should be re-examined for fitness from DDU Zonal (RIPON) Hospital, Shimla.
 9. Contract officer shall be entitled to TA/DA if required to go on tour in connection with his/her official duties at the same rates as applicable to regular counterpart officer at the minimum of the pay scale
 10. The Employees Group Insurance Scheme will not be applicable to the comntractual appointee(s) as well as EPF/GPF.
 11. Private practice of any kind, whatsoever is prohibited. Signed by the FIRST PARTY and SECOND PARTY in the presence of following witnesses on the aforesaid date:—

In the presence of witnesses:—

1.

Name _____

Address _____

2.

Name _____

Address _____

(Signed by first Party)

1.

Name _____

Address _____

2.

Name _____

Address _____

(Signed by second Party)

